न्यूज डायरी

आर्मीनिया का जवाबी ऐक्शन अजरबैजान पर पड़ा भारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बाकू। आर्मीनिया और अजरबैजान के बीच नागोर्नो–काराबाख इलाके में कब्जे को लेकर युद्ध अब भी जारी है। बुधवार को सैन्य ठिकानों पर अजरबैजान के हमलों के बाद अब आर्मीनियाई सेना ने जवाबी कार्रवाई की है। अजरबैजान ने दावा किया है कि आर्मीनिया की गोलीबारी में उसके 12 आम नागरिक मारे गए हैं, जबकि 40 से अधिक घायल हैं। अजरबैजान सरकार के प्रवक्ता ने कहा कि आर्मीनियाई सेना के दो रॉकेट गांजा शहर के आबादी वाले इलाकों में आकर गिरे हैं। आर्मेनिया के रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता शुशन स्टीफनियन ने बुधवार को नागोर्नो–काराबाख इलाके में उसकी सेना पर हमले को लेकर अजरबैजान की आलोचना की थी। उन्होंने तभी चेतावनी देते हुए कहा था कि आर्मीनिया की सेना इस हमले का बदला जरूर लेगी। वहीं आर्मीनियाई प्रधानमंत्री निकोल पशिनियन ने बुधवार को कहा कि अजरबैजान का उद्देश्य नागोर्नो–करबाख के क्षेत्र पर पूरी तरह से कब्जा करना है।

इमरान, सेना, आईएसआई... विपक्ष की पहली रैली में जमकर बरसे नवाज शरीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इस्लामाबाद। पाकिस्तान के गुजरांवाला में संयुक्त विपक्ष की पहली रैली में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने पाकिस्तानी सेना और इमरान खान पर जमकर निशाना साधा। नवाज शरीफ ने आरोप लगाया कि पाकिस्तानी सेना ने उन्हें जबरदस्ती सत्ता से बेदखल कर इमरान खान को ताज सौंपा था। नवाज ने सीधे–सीधे पाकिस्तानी आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा और खुफिया एजेंसी आईएसआई चीफ लेफ्टिनेंट जनरल फैज हामिद का नाम लिया। लंदन से वीडियो लिंक के जरिए गुजरांवाला में पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट के पहले शक्ति प्रदर्शन में नवाज शरीफ ने सीधे तौर पर जनरल बाजवा का नाम लेते हुए पूछा कि किसने स्टेट के ऊपर एक अलग स्टेट बनाया? पाकिस्तान में दो सरकारों के लिए जिम्मेदार कौन है? उन्होंने कहा कि यह सब पाकिस्तानी सेना के जनरल बाजवा कर रहे हैं।

फ्रांस में पैगंबर का कार्टून दिखाने पर आतंकी ने काटा टीचर का सिर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेरिस। फ्रांस में टीचर का सिर काटने वाला आतंकी एनकाउंटर में मारा गया है। दावा किया जा रहा है कि 18 साल के इस आतंकी ने इतिहास के एक शिक्षक पर हमला करने से पहले अल्लाहू–अकबर का नारा लगाया था। टीचर पर आरोप था कि उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का पाठ पढ़ाते समय अपने छात्रों को मोहम्मद साहब का कार्टून दिखाया था। फ्रांस में इस निर्मम हत्या के बाद राजनीति भी गरमा गई है। आज फ्रांस के राष्ट्रपति इमेनुएल मेक्रो खुद मृत शिक्षक के घर जाने वाले हैं। शिक्षक की गला काटकर हत्या करने के बाद फ्रांस में फिर से एक बार धार्मिक आजादी को लेकर बहस छिड़ गई है। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रो ने इसे इतिहास की हत्या करार दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकी ने देश के गणतंत्र के खिलाफ हमला किया है। उन्होंने कसम खाई कि ये लोग फ्रांस को विभाजित नहीं कर पाएंगे।

ट्रंप प्रशासन की नाकाम नीतियों के कारण ही अमेरिका में स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था संकट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मेकन। डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से उप–राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने कहा है कि अमेरिका ट्रंप प्रशासन की नाकाम नीतियों के कारण जलवायु परिवर्तन के साथ ही लोक स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और भूखमरी सहित कई मोर्चों पर गंभीर संकटों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि अब इनमें नस्ली मुद्दा भी शामिल हो गया है। हैरिस ने शुक्रवार को विस्कॉन्सिन में चंदा जुटाने के लिए आयोजित एक कार्यक्रम को डिजिटल तरीके से संबोधित करते कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिका के कोरोना वायरस से प्रभावित होने के पहले से ही इस वायरस की गंभीरता के बारे में पता था। इसके बावजूद उन्होंने खास कुछ नहीं किया। उन्होंने कहा, यही चीज मुझे आक्रोशित कर रही है कि डोनाल्ड ट्रंप को 28 जनवरी को इसकी जानकारी थी। उन्हें पता था कि यह वायरस फ्लू की तुलना में पांच गुना ज्यादा घातक है।''

एंटी शिप बैलिस्टिक मिसाइल के साथ दिखा चीनी बॉम्बर

खुलासा

भारतीय और अमेरिकी नौसेना की मुश्किलें बढ़ सकती है

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

पेइचिंग। चीन ने अपने परमाणु बॉम्बर एच–6एन पर एंटी शिप बैलिस्टिक मिसाइल को तैनात कर दिया है। 2017 से ही अमेरिकी खुफिया एजेंसी के पास ऐसी रिपोर्ट थी कि चीन दो तरह के एयर लॉन्च बैलिस्टिक मिसाइल को बना रहा है। पहली बार ऐसा हुआ है जब चीन की यह मिसाइल उसके एच–6 बॉम्बर के साथ दिखाई दी है। इस तरह की टेक्नोलॉजी दुनिया के बहुत कम देशों के पास ही है। ऐसे में भारतीय और अमेरिकी नौसेना की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

समुद्र में अमेरिका की बढ़ेगी मुश्किलें अमेरिका और चीन में कई मुद्दों को लेकर विवाद चरम पर है। आए दिन अमेरिकी नेवी के युद्धपोत और एयरक्राफ्ट कैरियर चीन के नजदीक पहुंचते हैं। ऐसे में चीन की इस मिसाइल से अमेरिकी नेवी को खतरा हो सकता है। ऐसे मिसाइल की सबसे बड़ी विशेषता यह होती है कि

यह दुश्मन को रिएक्ट करने के लिए सबसे कम समय देते हैं। जबकि बैलिस्टिक मिसाइल के लैंड और सी वैरियंट को लॉन्च करते ही दुश्मन को सूचना मिल जाती है।

मिसाइल को लेकर रक्षा जानकारों की बंटी हुई रायः अमेरिकी खुफिया एजेंसी ने 2019 में इस मिसाइल को CH-AS-X-13 का नाम दिया था। चीन पर नजर रखने वाले कई रक्षा विशेषज्ञ इसे चीन की DF–21क मिसाइल बताते हैं। जबकि, देखने में यह मिसाइल चीन के DF–17 जैसी लगती है क्योंकि इसके भी आगे का हिस्सा हाइपरसोनिक ग्लाइड वाहन जैसे दिखाई देता है। चीन के तरफ से कभी भी इस मिसाइल को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी साझा नहीं की गई है।

कितनी ताकतवर है यह मिसाइल यह दो स्टेज सॉलिड फ्यूल से चलने वाली मिसाइल है। जिसकी ऑपरेशनल रेंज लगभग 3000 किलोमीटर है। दावा यह भी किया जाता है कि यह मिसाइल अपने साथ पहमाणु वॉरहेड को भी लेकर जाने में सक्षम है। इस मिसाइल को डीएफ–21डी का एयर लॉन्च वैरियंट भी कहा जाता है। डीएफ–21डी मिसाइल 30 फीट से ज्यादा लंबी है जो 2000 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम है। इसलिए इस मिसाइल को जमीन से ही लॉन्च किया जा सकता है।

भारत के पास भी यह तकनीकी नहीं: भारत के पास भी हवा से एंटी शिप बैलिस्टिक मिसाइल को लॉन्च करने की तकनीकी नहीं है। हालांकि, ऐसी मिसाइल को बनाने के लिए डीआरडीओ काम कर रहा है। जिसे हवा से ही लॉन्च किया जा सके। अभी तक भारत अपने सुखोई–30 एमकेआई से ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल को दागने की तकनीकी ही हासिल कर पाया है। क्योंकि, बैलिस्टिक मिसाइल क्रूज की तुलना में भारी और लंबी होती हैं। ऐसे में उन्हें लॉन्च करने के लिए भी कोई लंबा प्लेन चाहिए।

कासिम सुलेमानी की हत्या का जल्द लेंगे बदला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

तेहरान। ईरान और अमेरिका के बीच जारी तनाव लगातार गहराता जा रहा है। अब ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स फनके Force के डिप्टी कमांडर मोहम्मद रजा फलाहजादेह ने अमेरिका को खुलेआम धमकी दी है। उन्होंने कहा है कि हम जल्द ही अमेरिका से अपने कमांडर जनरल कासिम सुलेमानी के मौत का बदला लेंगे। ईरानी सेना के इस उच्च अधिकारी ने कहा कि ईरानी कमांडरों और सैनिकों की हत्या तेहरान को पीछे हटने या अपने लक्ष्यों को छोड़ने के लिए मजबूर नहीं करेगी।

ईरानी सैन्य अधिकारी रजा फलाहजादेह का बयान उनके सर्वोच्च धार्मिक नेता अयातुल्लाह अली खमनेई के बयान से मेल खाता है। जिन्होंने पहले ही ऐलान किया हुआ है कि ईरान यह कभी नहीं भूलेगा कि अमेरिका ने कासिम सुलेमानी की हत्या की है। तेहरान निश्चित रूप से अमेरिका के इस आघात से निपटेगा।

तो अमेरिकी दूतावास को निशाना बनाएगा ईरान? अमेरिकी मीडिया पोलिटिको ने एक अनाम खुफिया स्रोत का हवाला देते हुए बताया था कि तेहरान शीर्ष ईरानी जनरल कासिम सोलेमानी की हत्या का बदला लेने के लिए विकल्पों पर गौर कर रहा है।

पीएम ट्रूडो का ऐलान- करते रहेंगे विरोध

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) बैंकूवर। चीन और कनाडा में जारी तनाव अब और गहराता नजर आ रहा है। शुक्रवार को कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने ऐलान किया कि उनका देश चीन के मानवाधिकारों के हनन के खिलाफ लड़ता रहेगा। कुछ दिनों पहले की चीनी राजदूत ने ट्रूडो सरकार को हॉन्ग कॉन्ग और शिनजियांग मामले पर बोलने को लेकर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी थी। चीन और कनाडा में पहले से ही हुवेई प्रकरण को लेकर तनाव चल रहा है। पीएम ट्रूडो ने कहा कि हम मानवाधिकारों के समर्थन में मजबूती से खड़े रहेंगे। चाहे वह उइगुर समुदाय की परेशानियों के बारे में बात हो या फिर हॉन्ग कॉन्ग की चिंताजनक स्थिति के बारे में या फिर चीन की बलपूर्वक कूटनीति के बारे में बात करना हो। ट्रूडो ने कहा कि कनाडा दुनिया भर में अपने उन सहयोगियों और अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, यूरोपीय देशों के साथ खड़ा है, जो मानवाधिकार उल्लंघनों के प्रति चिंतित हैं।

ऑपरेशन गुलमर्ग के 73 साल बाद भी नहीं सुधरा पाकिस्तान

अब भी कश्मीर को रौंद रहाः यूरोपियन थिंक टैंक

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

एम्स्टर्डम। कश्मीर को लेकर पाकिस्तान किसी भी मंच पर चाहें कितना भी चिल्ला ले, लेकिन पूरी दुनिया उसकी हकीकत को जानती है। अब एक यूरोपीय थिंक टैंक ने भी कहा है कि आजादी के तुरंत बाद कश्मीर पर कब्जे को लेकर पाकिस्तान के ऑपरेशन गुलमर्ग को लॉन्च किए अब 73 साल से ज्यादा हो गए हैं, लेकिन उसकी नापाक हरकत अब भी जारी है। बता दें कि 21–22 अक्टूबर, 1947 की मध्यरात्रि को पाकिस्तानी सेना ने कबायलियों के वेश में कश्मीर पर कब्जा जमाने के लिए इस ऑपरेशन को शुरू किया था।

यूरोपीय थिंकटैंक ने ताजा की हमले की यादः यूरोपीय फाउंडेशन फॉर साउथ एशियन स्टडीज ने एक बार फिर पाकिस्तान के उस बर्बर अत्याचार की याद को ताजा किया है जिसमें कश्मीर के 35 हजार से 40 हजार लोगों की मौत हो गई थी। कबायलियों के साथ मिले पाकिस्तानी सेना के जवानों ने कश्मीर में जमकर उत्पात मचाया था। इस्लाम का तथाकथित ठेकेदार होने का दावा करने वाले पाकिस्तान की फौज ने सबसे ज्यादा जुल्म कश्मीरी मुसलमानों पर किया था।

कश्मीरी पहचान पर सबसे पहला और सबसे भीषण हमलाः थिंकटैंक ने कहा कि यह दिन कश्मीरी पहचान को खत्म करने के सबसे पहले और सबसे भारी दिन के रूप में याद रखा जाएगा। इसी के परिणामस्वरूप संयुक्त राष्ट्र द्वारा तैयार की गई नियंत्रण रेखा अस्तित्व में आई थी। थिंक टैंक के अनुसार, मेजर जनरल अकबर खान के आदेश के तहत ऑपरेशन गुलमर्ग की कल्पना अगस्त 1947 में की गई थी।

कश्मीर पर हमले में शामिल थीं 22 पश्तून जनजातियांः पाकिस्तानी सेना के साथ इस हमले में 22 पश्तून जनजातियां शामिल थीं। वाशिंगटन डीसी में रहने वाले राजनीतिक और रणनीतिक विश्लेषक शुजा नवाज ने 22 पश्तून जनजातियों को सूचीबद्ध किया है जो इस हमले में शामिल थे।

चीनी मीडिया की दादागिरी, नेपाली जमीन को बताया अपना

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन ने पहले नेपाली जमीन पर दो किलोमीटर तक कब्जा किया और अब उसकी सरकारी मीडिया उसे अपना बता रही है। इतना ही नहीं, इस पूरे विवाद को लेकर जिनपिंग की पिट्ठू मीडिया ने भारतीय मीडिया पर दोष मढ़ा है। नेपाल में उठ रही चीन के खिलाफ भावनाओं को दबाने के लिए उसकी सरकारी मीडिया अब मामले पर सफाई दे रही हैं। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा है कि नेपाल के हुमला जिले में बिल्डिंग के निर्माण का आरोप चीन पर लगाया जा रहा है। लेकिन, बार–बार किए गए सर्वेक्षणों से साबित हो गया है कि चीन ने नेपाली जमीन नहीं, बल्कि अपने जमीन पर इन बिल्डिंग्स का निर्माण किया है। ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि ये बिल्डिंग्स दक्षिण पश्चिम चीन के तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के बुरंग काउंटी में एक नवनिर्मित गांव में बने हुए हैं। बुरंग काउंटी के विदेशी संबंध कार्यालय निदेशक बेकी के हवाले से ग्लोबल टाइम्स ने लिखा कि मई महीने में इनका निर्माण शुरू करने से पहले सैन्य और स्थानीय पेशेवर सर्वेक्षण और मैपिंग कर्मियों इस क्षेत्र का विस्तृत मैपिंग की।